होमो नलेदी द्वारा दफनाने और रॉक कला के दावे

हाल ही में एक अध्ययन प्रकाशति हुआ है, जसिमें बताया गया है कि एक **प्राचीन मानव प्रजाति होमो नलेदी ने** अपने मृतकों को दफन किया होगा और एक गुफा में सार्थक प्रतीक बनाए होंगे।

- हालाँकि इन **दावों ने वैज्ञानिक समुदाय के बीच ववािद खड़ा** कर दिया है।

होमो नलेदी:

- **होमो नलेदी** वर्ष 2013 में दक्षिण अफ्रीका में **यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल, राइज़िंग स्टार गुफा प्रणाली** में खोजी गई मानव की एक प्रजाति है।
  - यहाँ वयस्कों, किशोरों और शिशुओं सहित कम-से-कम 15 व्यक्तियों के अवशेष पाए गए, जो इसे अफ्रीका में एकल होमिनिन प्रजातियों का सबसे बड़ा संग्रह बनाते हैं।
- होमो नलेदी आदिम और **आधुनिक विशेषताओं के संयोजन को प्रदर्शित करती** है और यह आधुनिक मनुष्यों का प्रत्यक्ष पूर्वज नहीं है।
  - ऐसा माना जाता है कि **वे 335,000 से 241,000 वर्ष पूर्व** (शायद 20 मिलियन वर्ष पहले तक) दक्षिणी अफ्रीका में अस्तित्व में थे और **आकार अथवा कद काठी में छोटे थे तथा उनका मस्तिष्क भी छोटा था**।

//

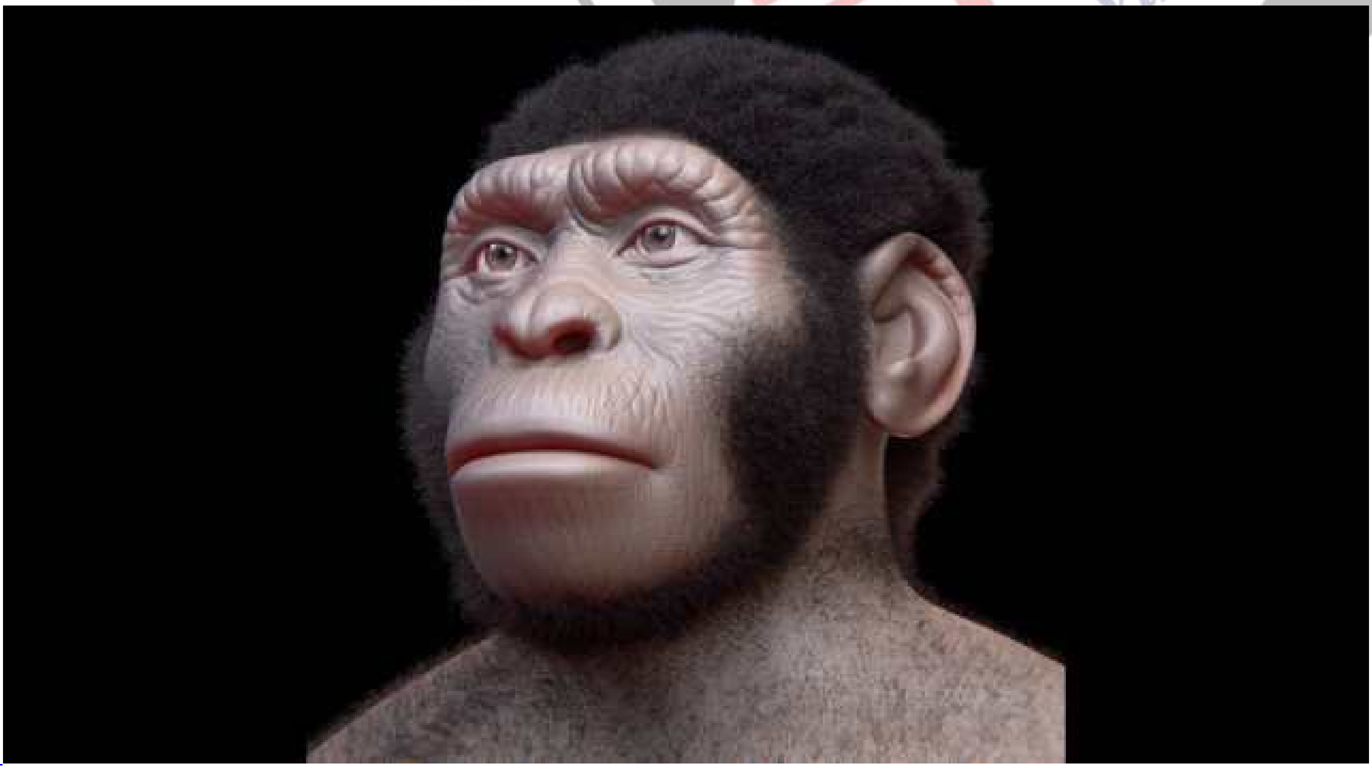

प्रमुख बिंदु

- **दफन संबंधी दावे:**
  - होमो नलेदी ने मृतकों को सावधानीपूर्वक दफनाया, यह **परिष्कृत अंत्येष्टि प्रथा** के बारे में पूर्वकल्पित मान्यताओं को चुनौती देता है।
    - मृतक को दफनाने की प्रथा मनुष्य को अन्य पशुओं और प्राइमेट्स से अलग करती है। **यह सामाजिक व्यवहार और मृत्यु की एक परिष्कृत समझ की विशेषता है।**

- होमो नलेदी के अस्तित्व के 100,000 से अधिक वर्षों बाद, नएिंडरथल और समकालीन मनुष्यों में इस प्रकार की प्रथा के शुरुआती प्रमाण पाए गए थे।
- **शैल कला संबंधी दावे:**
  - होमो नलेदी ने संभवतः राइज़िंग स्टार गुफाओं में शैल कलाकृतियों की रचना की होगी। वैसे यह मामला काफी पेचीदा है क्योंकि **शैल कला का संबंध पारंपरिक रूप से होमो सेपियन्स और अन्य बड़े आकार के मस्तिष्क वाले वाले पूर्वजों से रहा है।**
  - यह रिपोर्ट गहराई से प्रभावित **क्रॉस-हैचिंग और ज्यामितीय आकृतियों जैसे वर्ग, त्रिकोण, क्रॉस एवं एक्स** के रूप में उत्कीर्णन का वर्णन करती है।
  - इसके अतिरिक्त होमो नलेदी के शरीर के पास पाई गई वस्तु **से पता चलता है कि यह पत्थर का औजार हो सकता है।**
- **आग का प्रयोग:**
  - होमो नलेदी ने गुफा में **मुर्दाघर और उत्कीर्णन गतिविधियों के दौरान रोशनी हेतु रणनीतिक रूप से आग का इस्तेमाल** किया।

संबंधित विवाद:

- **होमो नलेदी द्वारा जान-बूझकर खोदे गए गड्ढों या कंकाल अवशेषों के संरचनात्मक संरेखण** का कोई ठोस सबूत नहीं है।
- कुछ **कंकाल के टुकड़ों का भौगोलिक संबंध उद्देश्यपूर्ण दफन साबित नहीं होता है।** वास्तव में उथली दरारों में गड्ढे खोदे नहीं जा सकते हैं, लेकिन प्राकृतिक खोह जहाँ शरीर जमा हो गए और बाद में आंशिक गुफा ढहने से भर गए।
- हालाँकि उत्कीर्णन के लिये कालक्रम की अनुपस्थिति होमो नलेदी हेतु उनके आरोपण के बारे में संदेह उत्पन्न करती है। संबंधित अवशेषों **प्राकृतिक निक्षेपों, या पुरातात्त्विक स्तर से प्राप्त निश्चित तिथियों के बिना होमो नलेदी** को उत्कीर्णन का श्रेय देना संदेहपूर्ण।

अध्ययन का महत्त्व:

- जबकि राइज़िंग स्टार गुफा की खोजों में प्राप्त साक्ष्य **प्रारंभिक मनुष्यों के विषय में हमारी समझ को पुनः आकार देने की क्षमता** रखते हैं तथा इन साक्ष्यों की गहन जाँच करना महत्त्वपूर्ण है।
- **जबरन दफनाने, शैल चित्रकला और आग के उपयोग के लिये प्रस्तुत साक्ष्य वैज्ञानिक समुदाय के मानकों को पूरा नहीं करते हैं**। इन दावों को मान्यता देने तथा वैज्ञानिकों के बीच व्यापक स्वीकृति बनाने के लिये कथित कब्रों की खुदाई, उत्कीर्णन की डेटिंग और आग के उपयोग पर गहन शोध आवश्यक है।

स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/claims-of-burial-and-rock-art-by-homo-naledi